

Title: Regarding terrorist attack on civilians and army camp in Kaluchak, Kammu.

MR. SPEAKER: The House shall now take up 'zero hour'. Shri Madan Lal Khurana...*(Interruptions)*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): I also gave notice, Sir.

MR. SPEAKER: On this important issue, I have received a number of notices. Those who have given notices are – Shri Madan Lal Khurana, Shri Ramji Lal Suman, Shri Yogi Aditya Nath, Shri Prahlad Singh Patel, Shri Radhakrishnan, Shri Naval Kishore Rai, Shri Kirit Somaiya, Choudhary Tejveer Singh, Shri Prabhunath Singh, Shri Priya Ranjan Dasmunsi, Prof. Vijay Kumar Malhotra. These are the hon. Members who have given notices on the important issue of attack that took place in Jammu and Kashmir.

This issue is very important. The hon. Members are all aware that the hon. Prime Minister has made a statement in this regard in the House that if required he was prepared to call a meeting of the leaders of different groups. I want that the decorum of the House be maintained. If the hon. Members want to speak, I have no objection. But then the other issues of important nature will not be taken up. I think the discussion can take place after the Prime Minister calls, if he considers it necessary, a meeting of leaders of different groups and the hon. Members can speak then.

...*(Interruptions)*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY AND (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, there is no point in having a 'zero hour' discussion on this. I would suggest that you call a meeting of the leaders. We can find out time in the next two days when we can have some kind of a structured discussion where the Prime Minister, the Home Minister and the Defence Minister would be present. ...*(Interruptions)* I have no problem with one Member speaking on this. If ten Members speak on it today, there is nobody to reply to it at this juncture. If we all agree, we can have a structured discussion on this issue in the next two days where the Prime Minister, the Home Minister and everybody would be present. They will hear the views and reply to them. That will be a proper way of discussion. I do not think a 'zero hour' discussion on Jammu and Kashmir would be proper.

...*(Interruptions)*

SHRI HANNAN MOLLAH (ULUBERIA): The House can condemn it unanimously now and it can be discussed later.

MR. SPEAKER: That is also one of the suggestions made to me by a number of Members.

...*(Interruptions)*

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): There can be condemnation from the Chair. Let the Chair condemn this.

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा नाम बुलाया था। â€œ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपकी ही बात कर रहा हूँ। आपने मुझे सुझाव दिया था कि इतने महत्वपूर्ण विषय पर सब लोग एक साथ मिलकर एक रेजोल्यूशन पास करें। यही आपका सुझाव था। â€œ (व्यवधान)

श्री शिवराज वी.पाटील (लातूर) : अध्यक्ष महोदय, अभी जो बताया गया है, मेरे ख्याल से वह ठीक प्रोसीजर है और इस पर अच्छी तरह से चर्चा भी हो जायेगी। अगर उसको कंटेम करना है तो यह आपकी तरफ से भी किया जा सकता है और हाउस की तरफ से भी किया जा सकता है। यह विषय ऐसा है जिसके ऊपर सही चर्चा होनी चाहिए। इसके अलावा सारे मैम्बर्स को भी बोलने के लिए समय मिलना

चाहिए। इसलिए आज, कल या परसों जैसा भी आप मुनासिब समझें, इस पर चर्चा के लिए समय निश्चित कर दें। ऐसी हमारी राय है। â€œ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष जी, आपने मेरा नाम बोलने के लिए बुलाया है। â€œ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिये।

...(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : हम भी इस सदन के मैम्बर हैं। सुबह नौ बजे आकर हमने नोटिस दिया है। â€œ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: He is only giving a suggestion.

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष जी, सुबह प्रश्न काल शुरू होने से पहले मैंने यह प्रश्न उठाया था क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। मुझे लगता है कि 13 दिसम्बर को जब पार्लियामेंट पर हमला हुआ, उसके बाद यह सबसे बड़ी घटना हुई है। इसलिए मैंने प्रश्न काल शुरू होने से पहले इस विषय को उठाया था। उस समय प्रधान मंत्री जी ने ठीक कहा था कि हमारे रक्षा मंत्री जी गये हुए हैं और आडवाणी जी भी यहां नहीं हैं इसलिए वह कल उत्तर देंगे।

मैं केवल दो चीजें कहना चाहता हूँ। जैसा अभी आपने कहा कि एक प्रस्ताव इस सदन की तरफ से आज ही आना चाहिए। मेरा कहना है कि लोक सभा में इस नरसंहार की निंदा करते हुए और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प लेते हुए सदन को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए और आतंकवाद को वार्निंग देनी चाहिए। ऐसा एक प्रस्ताव यहां सर्वसम्मति से पास हो।

मेरा दूसरा निवेदन है, जैसे मैंने कहा, जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर कालूचक में मंगलवार तड़के हिमाचल रोडवेज की यात्री बस और सेना शिविर पर आत्मघाती हमले में सैनिकों के परिवारों के 37 बेगुनाह लोगों का नरसंहार हुआ है जिनमें महिलाएं और बच्चे भी हैं। ऐसे नरसंहार कब तक चलेंगे। हमें पाकिस्तान को साफ कह देना चाहिए कि enough is enough. â€œ (व्यवधान) प्रधान मंत्री जी ने 13 दिसम्बर, 2001 को संसद पर हुए हमले के बाद कहा था कि हम आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। â€œ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप जानते हैं कि प्रधान मंत्री जी ने भी निवेदन किया है।

â€œ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यदि आप अभी चर्चा चाहते हैं तो एक स्टेटमेंट करके फिनिश करेंगे, फिर दूसरी चर्चा की जरूरत नहीं है।

â€œ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : मेरा इतना ही निवेदन है कि आज चेयर की ओर से सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पास होना चाहिए।